Regarding setting up of Board for road maintenance

श्रीमती मंजू शर्मा **(**जयपुर**) :** अध्यक्ष महोदय, धन्यवाद । मुझे आज बहुत समय बाद बोलने का मौका मिला है ।

माननीय अध्यक्ष **:** अभी तो 543 मैम्बर्स हैं । जब मैम्बर्स की संख्या बढ़ जाएगी तो बहुत मुश्किल से नम्बर आएगा ।

श्रीमती मंजू शर्मा **:** अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहती हूँ कि मेरे जयपुर शहर में जब सड़के टूट जाती हैं, चूँकि उनके रख-रखाव के लिए तीन एजेंसियां काम करती हैं । वे तीन एजेंसियां नगर निगम, स्थानीय विकास प्राधिकरण और राज्य लोक निर्माण हैं । जब दूसरी एजेंसीज़ काम करती हैं, सड़क खोद देती है तो इन तीनों एजेंसियों को जाकर कहना पड़ता है । लोगों को पता भी नहीं होता है कि कौन सा डिपार्टमेंट यह काम करेगा ।

मैं समझती हूँ कि मेरे शहर में ही नहीं, बल्कि देश के और शहरों में भी यह समस्या रहती होगी ।

माननीय अध्यक्ष **: ?**दिशा? की मीटिंग में एक बार सबको बुलाइए और कोऑर्डिनेशन करवाइए ।

श्रीमती मंजू शर्मा **:** अध्यक्ष महोदय, मेरा यह कहना है कि सड़कों के टूटने की वजह से जन-धन की हानि भी होती है और ट्रेफिक में भी समस्या आती है । इसलिए मेरा यह कहना है कि केन्द्र सरकार राज्य सरकारों से कहे कि जिस तरीके से बिजली बोर्ड और जल बोर्ड हैं, उसी तरीके से सड़कों के रख-रखाव के लिए भी एक बोर्ड बना दिया जाए, ताकि जनता को भी इधर-उधर न जाना पड़े । उस बोर्ड की जिम्मेदारी हो जाए कि जहां भी सड़कों की मरम्मत की जरूरत हो, वहां वह बोर्ड उसकी जिम्मेदारी लेकर सड़कों का रख-रखाव करे ।